

सूक्ष्म प्रबंध योजना निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 07/10/2026 से 09/10/2026 तक

मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में तीन दिवसीय 07/10/2026 से 09/10/2026 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम दिवस में मध्यप्रदेश राज्य वन अनुसंधान संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा^{भा.व.से.}, संचालक राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर एवं श्री संदीप फैलो^{भा.व.से.}, उपसंचालक राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर के मार्गदर्शन में सम्पादित की जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रायोजक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (सं.व.प्र.) म.प्र. भोपाल है। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञों के द्वारा सूक्ष्म प्रबंध योजना से संबंधित विभिन्न विषयों पर PPT के माध्यम से जानकारी प्रदान की गयी। विषय विशेषज्ञ श्री चितरंजन त्यागी (सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक), श्री आर. बी. शर्मा (सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक), श्री एल.एन.एस. कुशवाहा (सेवानिवृत्त ए.सी. एफ.), श्री अभिषेक शर्मा, श्री अनुज सक्सेना के मार्गदर्शन में ग्रामीणों के साथ नजरी नक्शा, संसाधन चित्रण एवं समय चित्रण जैसी गतिविधियाँ कराई गईं। इस अवसर पर श्री चितरंजन त्यागी ने वन प्रबंधन में लैंडस्केप एप्रोच की उपयोगिता एवं इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सूक्ष्म प्रबंध योजना (Microplan) को JFM का प्रमुख अंग माना गया है, जो ग्राम-स्तर पर वन संसाधनों के उपयोग और विकास की रूपरेखा तैयार करती है। इसके अंतर्गत वनाश्रित समुदायों एवं ग्रामीणों की आवश्यकताओं, स्थानीय परिस्थितियों तथा उपलब्ध प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों को ध्यान में रखते हुए विकास की प्राथमिकताएं निर्धारित की जाती हैं। सूक्ष्म प्रबंध योजना का उद्देश्य “वन संसाधनों का वैज्ञानिक, संतुलित एवं सतत उपयोग सुनिश्चित करना, जैव विविधता का संरक्षण करना तथा स्थानीय समुदायों की सक्रिय सहभागिता से वन प्रबंधन को मजबूत बनाना” है। यह योजना ग्राम की आवश्यकताओं, संसाधनों और संभावनाओं पर आधारित होती है, जिससे वन संरक्षण, जैव विविधता और आजीविका में संतुलन स्थापित किया जा सके।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने माइक्रोप्लान तैयार करने के दौरान आने वाली विभिन्न जटिलताओं एवं व्यावहारिक समस्याओं पर विषय विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की तथा अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर संस्थान के संचालक श्री प्रदीप वासुदेवा^{भा.व.से.} द्वारा श्योपुर, बुरहानपुर, अशोकनगर, देवास एवं उमरिया वनमंडलों के कुल 20 प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रशिक्षण गतिविधियों में प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर उमरिया वनमंडल ने प्रथम, देवास ने द्वितीय तथा श्योपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वनमंडलों को स्मृति चिह्न, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।





स्थानीय सहभागिता से सुदृढ़ होगा वन प्रबंधन एसएफआरआई में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

भासरो, जयलपुर। वनों के वैज्ञानिक और सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए राज्य वन अनुसंधान संस्थान पोलीपाथर में बुधवार से तीन दिवसीय सूक्ष्म प्रबंधन योजना प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि सूक्ष्म प्रबंधन योजना वनों के संरक्षण के साथ ग्रामीण विकास को गति देने वाली एक प्रभावी कार्ययोजना है। इसका मुख्य उद्देश्य जैव विविधता का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से वन प्रबंधन को मजबूत बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान भोपाल से आए विषय विशेषज्ञों चित्तरंजन त्यागी, आर.बी. शर्मा, एल.एन. एस. कुशावाहा, अभियेक शर्मा और अनुज कुमार सबसेना द्वारा प्रतिभागियों को योजना निर्माण की प्रक्रिया, सहभागी ग्रामीण सर्वेक्षण (पीआरए) और स्थानीय आवश्यकताओं के समावेशन की तकनीकी जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम में रयौपुर, बुरहानपुर, अशोकनगर, देवास एवं उमरिया वनमंडलों के 20 वन अधिकारी एवं कर्मचारी भाग ले रहे हैं।

दैनिक भास्कर समाचार पत्र दिनांक 08/10/2026

जंगल बचाने गांवों की भागीदारी जरूरी, अब स्थानीय जरूरतों पर फोकस

राज्य वन अनुसंधान केंद्र में सूक्ष्म प्रबंधन योजना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू



पीपुल्स समाचार पत्र • जयलपुर
editor@peoplesamachar.co.in

प्रदेश के राज्य वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को सूक्ष्म प्रबंधन योजना पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा और उपसंचालक संदीप केलोन्गा ने किया। इन अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर श्री वासुदेवा ने कहा कि सूक्ष्म प्रबंधन योजना केवल वन संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण विकास और स्थानीय आजीविका को बढ़ा देने वाली स्थानीय जरूरतों पर आधारित कार्ययोजना है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य वन संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग, जैव विविधता का संरक्षण और स्थानीय समुदाय को सक्रिय भागीदारी से वन प्रबंधन को मजबूत करना है। इससे वन संरक्षण के साथ ग्रामीणों के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञों ने दी जानकारी
प्रशिक्षण में भोपाल से आए विशेषज्ञ चित्तरंजन त्यागी, आर.बी. शर्मा, एल.एन.एस. कुशावाहा, अभियेक शर्मा और अनुज कुमार सबसेना ने योजना की अवधारणा, निर्माण प्रक्रिया, पूर्ण वैधता और सहभागी ग्रामीण सर्वेक्षण के विविध

पहलुओं की जानकारी दी।

ट्रेनिंग में 5 वनमंडलों से आए प्रशिक्षणार्थी
वन प्रबंधन प्रभाग की प्रभारी एवं मुख्य अध्येक्षक डॉ. प्रदीप वासुदेवा ने भी तकनीकी जानकारी सलाह की। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में रयौपुर, बुरहानपुर, अशोकनगर, देवास और उमरिया वनमंडलों से 20 वन अधिकारी, वनपाल और वनरक्षक शामिल हो रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान योजना निर्माण, क्रियान्वयन और मूल्यांकन पर इसकी व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी जा रही है।

प्रोग्राम में ये अधिकारी, कर्मचारी भी हुए शामिल
ट्रेनिंग प्रोक्ता में सहायक वन संरक्षक बंदेश ठाकुर, सुनिंद कुमार सेने, एसएसए रघुवंशी, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, निजम कुमार कोरी, डॉ. बी.के. कुलदीप, प्रिंसेपा बार्न, सोनल ननुवेदी, सत्यम वाकरोवा, अजय लक्षिकर, अमोल ललकी एकरा, विनीत मेहरा, हिमांशु कुशावाहा एवं अभियेक सोनी सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीपुल्स समाचार पत्र
दिनांक 08/10/2026

माइक्रोप्लान से वन संरक्षण और ग्राम विकास को मिलेगी नई दिशा

जयलपुर, 08 अक्टूबर। जयलपुर में माइक्रोप्लान से वन संरक्षण और ग्राम विकास को मिलेगी नई दिशा। राज्य वन अनुसंधान संस्थान में बुधवार को सूक्ष्म प्रबंधन योजना पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के संचालक प्रदीप वासुदेवा और उपसंचालक संदीप केलोन्गा ने किया। इन अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर श्री वासुदेवा ने कहा कि सूक्ष्म प्रबंधन योजना केवल वन संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण विकास और स्थानीय आजीविका को बढ़ा देने वाली स्थानीय जरूरतों पर आधारित कार्ययोजना है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य वन संसाधनों का वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग, जैव विविधता का संरक्षण और स्थानीय समुदाय को सक्रिय भागीदारी से वन प्रबंधन को मजबूत करना है। इससे वन संरक्षण के साथ ग्रामीणों के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञों ने दी जानकारी
प्रशिक्षण में भोपाल से आए विशेषज्ञ चित्तरंजन त्यागी, आर.बी. शर्मा, एल.एन.एस. कुशावाहा, अभियेक शर्मा और अनुज कुमार सबसेना ने योजना की अवधारणा, निर्माण प्रक्रिया, पूर्ण वैधता और सहभागी ग्रामीण सर्वेक्षण के विविध

पहलुओं की जानकारी दी।

ट्रेनिंग में 5 वनमंडलों से आए प्रशिक्षणार्थी
वन प्रबंधन प्रभाग की प्रभारी एवं मुख्य अध्येक्षक डॉ. प्रदीप वासुदेवा ने भी तकनीकी जानकारी सलाह की। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में रयौपुर, बुरहानपुर, अशोकनगर, देवास और उमरिया वनमंडलों से 20 वन अधिकारी, वनपाल और वनरक्षक शामिल हो रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान योजना निर्माण, क्रियान्वयन और मूल्यांकन पर इसकी व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी जा रही है।

प्रोग्राम में ये अधिकारी, कर्मचारी भी हुए शामिल
ट्रेनिंग प्रोक्ता में सहायक वन संरक्षक बंदेश ठाकुर, सुनिंद कुमार सेने, एसएसए रघुवंशी, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, निजम कुमार कोरी, डॉ. बी.के. कुलदीप, प्रिंसेपा बार्न, सोनल ननुवेदी, सत्यम वाकरोवा, अजय लक्षिकर, अमोल ललकी एकरा, विनीत मेहरा, हिमांशु कुशावाहा एवं अभियेक सोनी सहित संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नई दुनिया समाचार पत्र
दिनांक 10/10/2026